

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 315]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, अशोकनगर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, अशोकनगर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Ashoknagar the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Ashoknagar may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

629

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 316]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, अनूपपुर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, अनूपपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबोधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Anuppur the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Anuppur may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

631

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 317]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, अलीराजपुर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, अलीराजपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबन्धित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पू. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Alirajpur the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Alirajpur may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

633

नियंत्रक, शासकीय मुद्रण तथा लेखन सामग्री, मध्यप्रदेश द्वारा शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय, भोपाल से मुद्रित तथा प्रकाशित—2010.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 318]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, भोपाल की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, भोपाल यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पू. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Bhopal** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Bhopal** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

635

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवाजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 319]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, भिण्ड की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, भिण्ड यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Bhind** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Bhind** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 320]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, बालाघाट की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, बालाघाट यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Balaghat** the State Government is satisfied that it is necessary to do so:

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Balaghat** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

639

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 321]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, बैतूल की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, बैतूल यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Betul** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Betul** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 322]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, बड़वानी की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, बड़वानी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Barwani the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Barwani may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE. Secy.

643

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिबीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्रा

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 323]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, बुरहानपुर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, बुरहानपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Burhanpur** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Burhanpur** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

645

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 324]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, छतरपुर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, छतरपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Chhatarpur the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Chhatarpur may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE. Secy.

647

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 325]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, छिन्दवाड़ा की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, छिन्दवाड़ा यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Chhindwara the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Chhindwara may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 326]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्रं. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, दतिया की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, दतिया यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Datia the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Datia may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

651

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 327]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, दमोह की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, दमोह यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के संमसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Damoh** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Damoh** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE. Secy.

653

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाकव्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 328]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, देवास की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, देवास यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Dewas the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Dewas may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

655

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 329]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, धार की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, धार यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पु. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Dhar the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Dhar may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE. Secy.

657

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 330]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, डिण्डौरी की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, डिण्डौरी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के तमसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Dindori the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Dindori may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 331]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, गुना की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, गुना यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Guna** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Guna** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

661

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवाजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 332]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, ग्वालियर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, ग्वालियर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Gwalior the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Gwalior may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

663

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 333]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932.

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, होशंगाबाद की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, होशंगाबाद यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-I.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Hoshangabad the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Hoshangabad may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 334]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. '31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, हरदा की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, हरदा यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबोधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Harda** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Harda** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

667

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 335]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, जबलपुर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, जबलपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Jabalpur** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Jabalpur** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

669

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 336]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, झाबुआ की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, झाबुआ यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पु. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Jhabua the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Jhabua may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

671

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 337]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप की संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, खण्डवा की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, खण्डवा यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पू. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Khandwa the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Khandwa may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE. Secy.

673

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 338]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, खरगोन की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, खरगोन यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Khargone** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Khargone** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

675

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 339]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, कटनी की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, कटनी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पु. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Katni the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Katni may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

677

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 340]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

अ. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, मंदसौर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, मंदसौर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Mandasaur the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Mandasaur may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 341]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, मुरैना की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, मुरैना यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

: भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Morena** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Morena** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBB. Secy.

681

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 342]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, मण्डला की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, मण्डला यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पू. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Mandla the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Mandla may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

683

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 343]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, नरसिंहपुर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, नरसिंहपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Narsinghpur the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Narsinghpur may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section.3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

685

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 344]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, नीमच की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, नीमच यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Neemuch the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Neemuch may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

687

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 345]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, पन्ना की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, पन्ना यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपर्बधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पू. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Panna the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Panna may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

689

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 346]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, राजगढ़ की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, राजगढ़ यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Rajgarh** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Rajgarh** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 347]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, रायसेन की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, रायसेन यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबोधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Raisen** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Raisen** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

693

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक, भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 348]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, रतलाम की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, रतलाम यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Ratlam the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Ratlam may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

695

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 349]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, रीवा की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, रीवा यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पु. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Rewa the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Rewa may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिजीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 350]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, सीहोर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, सीहोर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पु. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Sehore** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Sehore** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 351]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, सागर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, सागर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पू. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Sagar the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Sagar may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 352]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, सतना की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, सतना यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबोधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Satna the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Satna may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

703

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 354]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, सिंगरौली की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, सिंगरौली यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Singrauli the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Singrauli may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

707

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 355]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, शहडोल की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, शहडोल यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Shahdol** the State-Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Shahdol** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

709

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 356]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, शाजापुर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, शाजापुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State :

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Shajapur** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Shajapur** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनासंगत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 357]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, शिवपुरी की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, शिवपुरी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Shivpuri the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Shivpuri may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010. if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

713

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 358]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, सिवनी की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, सिवनी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Seoni the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Seoni may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

715

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 359]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग
(सी-अनुभाग)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
भोपाल, दिनांक 30 जून 2010
आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, श्योपुर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, श्योपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Sheopur the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Sheopur may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 360]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, टीकमगढ़ की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, टीकमगढ़ यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Tikamgarh** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Tikamgarh** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

719

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवाजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 362]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, उमरिया की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, उमरिया यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पू. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Umaria** the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Umaria** may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

723

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 363]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हैं या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, इन्दौर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, इन्दौर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Indore the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Indore may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010. if satisfied. as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh.

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

725

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनानुसार डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 364.]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, विदिशा की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, विदिशा यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Vidisha the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Vidisha may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

727

नियंत्रक, शासकीय मुद्रण तथा लेखन सामग्री, मध्यप्रदेश द्वारा शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय, भोपाल से मुद्रित तथा प्रकाशित—2010.

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 353]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, सीधी की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, सीधी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Sidhi the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Sidhi may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,

CHANDRAHAS DUBE, Secy.

705

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल डाक
परिमंडल, के पत्र क्रमांक 22/153,
दिनांक 10-1-06 द्वारा पूर्व भुगतान
योजनान्तर्गत डाक व्यय की पूर्व अदायगी
डाक द्वारा भेजे जाने के लिए अनुमत.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन
म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 361]

भोपाल, बुधवार, दिनांक 30 जून 2010—आषाढ़ 9, शक 1932

गृह विभाग

(सी-अनुभाग)

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

आदेश

क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व, साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए और लोक व्यवस्था बनाये रखने पर तथा राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिये सक्रिय है या उनके सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, उज्जैन की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्वारा, यह निदेश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, उज्जैन यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त निरोध का आदेश करने की शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जुलाई, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

भोपाल, दिनांक 30 जून 2010

पू. क्र. एफ. 31-5-1998-दो-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 30 जून, 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास दुबे, सचिव.

Bhopal, the 30th June 2010

ORDER

F. No. 31-5-1998-II-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and the security of the State ;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the local limits of jurisdiction of the District Magistrate, Ujjain the State Government is satisfied that it is necessary to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Ujjain may, during the period from 1st July, 2010 to 30th September, 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said section, exercise the powers of making an order of detention conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh,
CHANDRAHAS DUBE, Secy.

721